तापमान
अधिकतम 23 .6 डिग्री
न्यूनतम 5 . 5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

14 गुरु रविदास ने सामाजिक सद्भाव व समरसता...

14 एमराल्ड नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट...

खबर संक्षेप

जानलेवा हमले में आरोपित चार भाई गिरफ्तार

युवक पर सुए से जानलेवा हमले के ढाई महीने पुराने मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शहर के आदर्श नगर के रहने वाले यह चारों आरोपित सगे भाई है। सुशील उर्फ शुशि, नवीन उर्फ लीलू, कुलदीप उर्फ कैरा और जगबीर उर्फ टोनी को फिलहाल अदालत ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

रोहणा के बिजेंद्र उर्फ विजय ने 13 नवम्बर 2025 को खरखौदा थाने में शिकायत दी थी। उसने बताया कि 12 नवंबर को अपनी कॉलोनी में रहने वाले रोहित की शादी में बारात के साथ प्रताप कॉलोनी आया हुआ था। बारात में साथ आए दीपक की गाड़ी का शीशा जगबीर उर्फ टोनी ने मुक्का मारकर तोड़ दिया। मौके

जरूरतमंदों को वस्त्र व घरेलू सामान वितरित

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा रविवार को खाटूश्याम मंदिर, सोनीपत परिसर में जरूरतमंद लोगों को नए व पुराने लेकिन उपयोग योग्य वस्त्रों एवं घरेलू सामान का वितरण किया गया।

इस अवसर पर संस्था के चेयरमेन वाईके त्यागी एवं प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि लगभग 500 नई स्कूल ड्रेस जिसमें पेंट, शर्ट, जर्सी आदि प्रदान की गई, संस्था द्वारा इन वस्तुओं को झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में जाकर गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जाता है। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में आज खाटूश्याम मंदिर परिसर में वस्त्र एवं अन्य घरेलू सामान का वितरण कर अनेक परिवारों को राहत पहुंचाई गई।

दुरुस्त सीवर लाइन तोड़ने का विरोध, लोगों में पनप रहा आक्रोश

ज्ञान नगर में नई सीवर लाइन पर बवाल निगम पर बेवजह सड़क उखाड़ने के आरोप

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

शहर के ज्ञान नगर की गली नंबर 1 में नगर निगम की ओर से डाली जा रही सीवर लाइन पर स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई है। कॉलोनी के कुछ लोगों का कहना है कि गली में पहले से डाली गई सीवर लाइन दुरुस्त अवस्था में थी, जबकि अब नए सिरे से सीवर लाइन डलवाकर नगर निगम सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के साथ लोगों को परेशान किया जा रहा है। साथ ही नई सीवर लाइन डालने के कार्य में लापरवाही बरती जा रही है।

ज्ञान नगर की गली नंबर 1 में करीब 20 दिन पहले नई सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू किया गया था। इस कार्य पर नगर निगम की ओर से करीब 70 लाख रुपये की राशि खर्च की जा रही है। कॉलोनी वासी शिव कुमार, सुरेश, कृष्ण, सुशील व अशोक कुमार ने बताया कि नई सीवर लाइन दबाने के लिए दुरुस्त सड़कों को तोड़ने के साथ कार्य को पूरे मापदंड से नहीं करवाया जा रहा है। कॉलोनी वासियों ने आरोप लगाया है कि नगर निगम चुनाव के नजदीक होने के चलते अब विकास के नाम पर शहर में दुरुस्त सड़कें बेवजह उखाड़ी जा रही हैं। साथ ही नई ीवर लाइन डालने के नाम पर लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि नई सीवर लाइन डालने के कार्य में नियमों को ताक पर रखा गया है। बिना ड्राइंग के ही ठेकेदार के कर्मचारी सीवर लाइन डाल रहे हैं। अब सीवरेज के मेनहॉल भी पहले की जगह छोटे व ऊंचे बनाए जा रहे हैं। इससे बारिश के मौसम में कॉलोनी में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

सोनीपत। ज्ञान नगर की गली नंबर 1 में नई सीवर लाइन डालने के लिए उखाड़ी गई पक्की सड़क। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। सोनीपत के ज्ञान नगर में डाली जा रही नई सीवर लाइन।

उच्च स्तरीय जांच करवाने की उठाई मांग

कॉलोनी वासियों ने सरकार व प्रशासन से मांग की, कि विकास के नाम पर उखाड़ी जा रही दुरुस्त सड़कों, नई डलवाई जा रही सीवर लाइन के मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। इससे सभी को पता चलना चाहिए कि आखिर किसकी डिमांड, किसकी शिकायत पर बेवजह दुरुस्त गलियां उखाड़कर नई सीवर लाइन डाली जा रही है, जबकि पुरानी सीवर लाइन दुरुस्त होने के बावजूद यह कार्य करवाया जा रहा है।

पेयजल लाइन के कार्य पर जताई संतुष्टि

कॉलोनी के लोगों ने नगर निगम की ओर से ज्ञान नगर में सीवर लाइन से पहले डलवाई गई पेयजल आपूर्ति लाइन के कार्य पर संतुष्टि जताई है। उन्होंने बताया कि पेयजल लाइन के डलने से लोगों को स्वच्छ पानी मुहैया हो सकेगा। इसको लेकर कॉलोनी वासी काफी समय से नगर निगम अधिकारियों से मांग कर रहे है। अब कॉलोनी में पेयजल लाइन डलने से उन्हें राहत मिलेगी।

पुरानी सीवर लाइन गड्ढा होने के कारण बैठी, इसलिए शुरू किया कार्य

ज्ञान नगर में पुरानी सीवर लाइन आगे गड्ढा होने के कारण बैठ गई थी। इसके अलावा सीवर लाइन टेढ़ी-मेढ़ी होने के कारण कई जगह जाम की स्थिति बनी हुई थी। इसी के चलते यहां नई सीवर लाइन डलवाने का कार्य शुरू किया गया है। सीवर के मेनहॉल लेवल के हिसाब से बनाए जा रहे हैं, ताकि आगे कॉलोनी वासियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

-सुधीर मोर, जेई, नगर निगम

बिना मांग निगम से शुरू करवाया काम

लोगों का आरोप है कि कमीशन के चक्कर में अच्छी भली सड़क तोड़कर सीवर लाइन बिछाई जा रही है, जबकि न तो इसमें लोगों की मांग थी, न ही कोई शिकायत की गई है। न ही पुरानी लाइन में कहीं लीकेज की समस्या थी। ऐसा करके केवल कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह खेल केवल कमीशन के चक्कर में खेला जा रहा है। इससे एक तरफ लाखों रुपये का बजट बिना जरूरत के खराब किया जा रहा है, दूसरी तरफ विकास का दिखावा किया जा रहा है।

गोहाना। भाजपा जिला कार्यालय में आम बजट के लाइव प्रसारण से जुड़े कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

देश के ग्रोथ इंजन को रफ्तार देगा बजट : डॉ. अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट विकास की दिशा में मजबूत कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत कर रहे हैं। ग्रामीण व शहरी इलाकों में राज्यों को बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए डेढ़ लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाना दर्शाता है कि सरकार ग्रामीण, शहरी क्षेत्र में विकास को एक साथ लेकर रफ्तार देगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना के माध्यम से खादी, हथकरघा व हस्तशिल्प क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, उनके हुनर और मेहनत को लोकल से ग्लोबल बनाने के उद्देश्य के साथ बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे देश के मेहनतकश बड़े तबके को सीधा लाभ होगा।

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया आम बजट इस दिशा में एक मजबूत कदम है। युवा और महिलाओं के उत्थान पर केंद्रित इस बजट से देश के ग्रोथ इंजन को रफ्तार मिलेगी। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को गोहाना भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक व पार्टी कार्यकर्ताओं सहित वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट को देखा। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आम बजट में किसान, वंचित, शोषित पिछड़ा वर्ग पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बॉक्सर के नाम पर मांगी 50 लाख की रंगदारी

- तीन गिरफ्तार, पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में रिकार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

रेलवे रोड स्थित हरियाणा किताब घर के संचालक से रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। हरियाणा किताब घर के संचालक बसंत विहार निवासी सुरेंद्र जग्गा ने गन्नौर थाना में शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने एक व्यक्ति व उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपित मोनू पहल व उसके दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत में सुरेंद्र जग्गा ने बताया कि 30 जनवरी की रात करीब आठ बजे वह अपने बेटे और कर्मचारियों के साथ दुकान पर मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान मोनू पहल निवासी गुमड़ दुकान पर आया और खुद को हिस्ट्रीशीटर बाक्सर दीपक का चाचा बताते हुए बदतमीजी करने लगा। आरोप है कि उसने दुकान चलाने के बदले मंथली देने की मांग की और मना करने पर काम बंद कराने की धमकी दी। उसने दुकान से कटर उठाकर डराया और तत्काल 50 लाख रुपये तथा हर माह 5 लाख रुपये देने को कहा। आरोप है कि पुलिस में शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपित ने फोन कर अन्य लोगों को बुला लिया। कुछ ही देर में कई युवक दुकान में घुस आए और गाली-गलौज की। उनके पास पिस्टल, डंडे व अन्य हथियार भी थे। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकार्ड हो गई है। पीड़ति ने बताया कि घटना से उसका परिवार दहशत में है और मानसिक तनाव के कारण उनकी तबीयत भी बिगड़ गई।

गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर गन्नौर में शोभायात्रा और पुरस्कार वितरण

गन्नौर। नगरपालिका रोड स्थित संत गुरु रविदास सेवा समिति द्वारा रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती बड़ी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र कादियान और विशिष्ट अतिथि उपायुक्त सुशील सारवान ने गुरु रविदास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरी। विधायक कादियान ने कहा कि संत रविदास ने समाज से आह्वान किया कि जात-पात और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों को त्यागकर आपसी भाईचारे के साथ आगे बढ़ें। कादियान ने कहा, आज समाज में जो स्वतंत्रता और खुशहाली है, वह गुरु रविदास जी जैसे महान संतों की ही देन है। हमें उनके उपदेशों को जीवन में उतारते हुए नशे जैसी कुरीतियों से दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने विधायक को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान रणधीर सिंह भौरिया, उपप्रधान श्याम लाल पंवार, अजय सबरवाल, ऋषिराज चौहान, फूलकुमार कटारिया, हवा सिंह, राजेश कुमार, ब्लाक समिति अध्यक्ष अनिल कुमार

गनौर। मेधावी प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न भेंट करते विधायक देवेंद्र कादियान।

गुरु रविदास ने दिया समानता और भाईचारे का संदेश

गोहाना। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए समाज के व्यक्ति।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना में प्राचीन श्री गुरु रविदास मंदिर में सन्त शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

मंत्री ने कहा कि संत गुरु रविदास ने समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। आज हमें संत गुरु रविदास के विचारों को अपनाते हुए संगठन को मजबूत करना चाहिए, ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प में योगदान सुनिश्चित किया जा सके। संत शिरोमणि गुरु रविदास ने अपने विचारों से समाज को नई दिशा दी। उनका संदेश आज भी आपसी सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देता है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरू रविदास जी के विचारों को आत्मसात करते हुए आगे बढने का आह्वान किया और विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपए अपने स्वैच्छिक कोष से देने की घोषणा की। इस मौके पर खरखौदा विधायक पवन खरखौदा व समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सत्संग समारोह में झूमे श्रद्धालु जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर सत्संग भी हुआ।

गोहाना। गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए नागरिक।

जन्मोत्सव पर संत रविदास को किया नमन

गोहाना। रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास को उनके 649वें जन्मोत्सव पर याद किया गया। अंबेडकर भवन समिति के तत्वावधान में यह कार्यक्रम गांव माहरा में आयोजित हुआ जिसमें नागरिकों ने गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मनोज सभरवाल ने की। समारोह में सत्संग एवं भजन-कीर्तन भी आयोजित किया गया। अध्यक्ष अमित सभरवाल ने कहा कि संत गुरु रविदास ने हमेशा आडंबरों का विरोध किया। उनका जीवन समता, मानवता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। मन चंगा तो कठौती में गंगा का उनका संदेश आज भी समाज को सकारात्मक दिशा देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दीपक, प्रवीण, गोविंद, राजेश, रितेश, अंकुश, राकेश, संजय, अंकित, रिंकू, कोमल, मुस्कान और योगेश सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

मौसम आधी रात बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों और शहरवासियों की चिंता

ओलों से जहां सब्जी और सरसों की फसल में नुकसान वहीं गेहूं के लिए फायदेमंद

ओलावृष्टि, बूंदाबांदी और तेज हवा से फसलों पर असर, जलभराव से जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिले में शनिवार आधी रात के बाद अचानक बदले मौसम ने ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर तक चिंता बढ़ा दी। राई क्षेत्र में रात करीब साढ़े बारह बजे तेज हवा के साथ ओलावृष्टि शुरू हो गई। इसके साथ ही गरज के साथ हल्की बारिश भी हुई, जिसने किसानों की नींद उड़ा दी। देर रात से लेकर रविवार सुबह तक जिले के कई हिस्सों में रुक-रुककर बूंदाबांदी होती रही। सुबह करीब 11 बजे धूप निकलने पर लोगों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन तब तक मौसम का असर खेतों और सड़कों पर साफ नजर आने लगा था। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते जिले में यह बदलाव देखने को मिला। विभाग ने बताया कि यह मौसम प्रणाली सोमवार तक प्रभावी रह सकती है। इसके बाद तापमान में गिरावट के साथ एक बार फिर शीतलहर का असर देखने को मिल सकता है। जनवरी माह के अंतिम सप्ताह से लगातार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं, जिससे मौसम अस्थिर बना हुआ है। 31 जनवरी को भी एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ था, जिसके कारण रात के समय अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और रविवार सुबह तक बूंदाबांदी का दौर जारी रहा।

सोनीपत। शहर में छाई धुंध व बादलवाही। फोटो : हरिभूमि

अगले दो दिन सतर्क रहने की सलाह

रविवार को सरगथल केंद्र पर न्यूनतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर हवा की रफ्तार दो किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास रही। मौसम में नमी बढ़ने से ठंड का अहसास बना रहा, जिससे लोगों ने दिन के समय भी गर्म कपड़ों का सहारा लिया। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन पर भी देखने को मिला। रविवार को बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ रही। ठंड और नमी के कारण लोग घरों में ही रहना पसंद करते नजर आए। सुबह के समय बूंदाबांदी के चलते स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को भी परेशानी हुई। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक सतर्क रहने की सलाह दी है। नगर निकाय को जलभराव और कीचड़ की समस्या से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

कोहरे की संभावना

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के चलते बूंदाबांदी हुई है। वातावरण में नमी बढने से आने वाले दिनों में सुबह के समय हल्का कोहरा भी देखने को मिल सकता है। फिलहाल जिले में मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है और लोगों को ठंड से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

-डॉ. प्रेमदीप, मौसम वैज्ञानिक, केवीके सोनीपत

ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान

खेती-किसानी पर इस मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिल रहा है। ओलावृष्टि से जहां सब्जी और सरसों की फसल में नुकसान की आशंका जताई जा रही है, वहीं गेहूं की फसल के लिए यह मौसम लाभकारी माना जा रहा है। खेतों में खड़ी सरसों की फसल इस समय पकने की अवस्था में है। ऐसे में ओलों की मार से फूल और फलियों को नुकसान पहुंच सकता है। कई किसानों ने बताया कि रात के समय अचानक गिरे ओलों से खेतों में खड़ी फसलों पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। हालांकि अभी नुकसान का आकलन किया जा रहा है। कृषि विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र के अनुसार पिछले दस दिनों में रुक-रुक कर हुई बारिश से गेहूं की फसल की बढ़वार बेहतर होगी। उन्होंने बताया कि इस समय गेहूं को हल्की ठंड और नमी की जरूरत होती है, जो मौजूदा मौसम से पूरी हो रही है। यदि तेज बारिश या ज्यादा ओलावृष्टि नहीं होती है, तो गेहूं की पैदावार पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा।

गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित

ग्रामीण इलाकों के अलावा शहर में भी बूंदाबांदी के बाद कीचड़ और जलभराव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। महलाना रोड पर सीवरेज मरम्मत कार्य के बाद सड़क का निर्माण न होने से सड़क पर कीचड़ जमा हो गया। बारिश के बाद यह कीचड़ और भी फिसलन भरा हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई दोपहिया वाहन फिसलते नजर आए, वहीं पैदल चलने वालों को सड़क पार करने में परेशानी हुई। ककरोई रोड की स्थिति भी बारिश के बाद बदतर हो गई। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन जोखिम भरा हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की सी बारिश में ही यदि सड़कों की यह हालत हो जाती है, तो तेज बारिश के दौरान हालात और भी खराब हो सकते हैं।

गोहाना। संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए अधिवक्ता।

छुआछूत और रूढ़िवादिता के विरोधी थे संत रविदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

संत रविदास छुआछूत और रूढ़िवादिता के धुर विरोधी थे। वे एक ऐसे समाज की स्थापना चाहते थे जिसमें जाति-पाति का स्थान हो और सब लोगों को समान दृष्टि से देखा जाए। यह बात कांग्रेस कमेटी हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट मनोज गोहाना ने कही। वे संत रविदास की जयंती पर बार एसोसिएशन गोहाना में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित कर रहे थे। एडवोकेट मनोज ने कहा कि आज हमें एक मजबूत समाज के निर्माण के लिए संत रविदास की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। उनकी शिक्षाएं समानता, प्रेम, कर्म और निर्गुण भक्ति पर आधारित हैं। संत रविदास ने मानवता को जाति-पाति, आडम्बर और भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम और सद्भावना से रहने का संदेश दिया। मन चंगा तो कठौती में गंगा उनके विचारों का सार है। इन विचारों से उन्होंने समाज को संदेश दिया कि शुद्ध मन ही ईश्वर का वास होता है। इस अवसर पर एडवोकेट आशीष बंसल, एसोसिएशन सचिव एडवोकेट हेमंत शर्मा, एडवोकेट राजीव चोपड़ा, एडवोकेट प्रवीन दहिया आदि मौजूद रहे।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

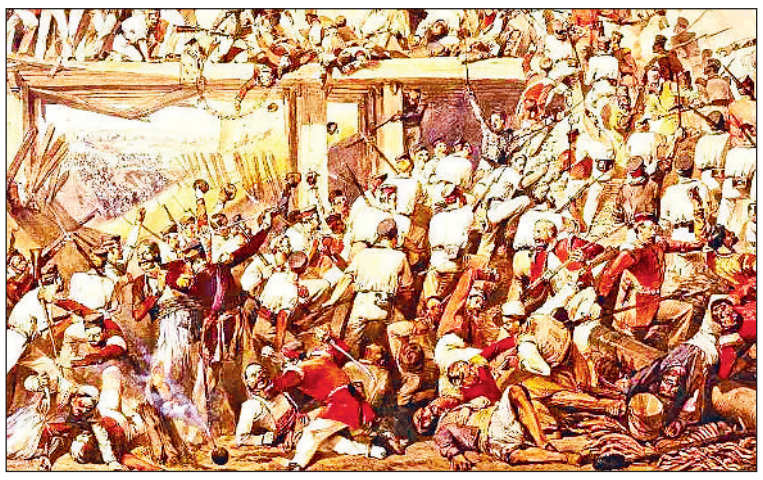

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र

बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता **कृष्ण गोपाल विद्यार्थी**

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सब नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सबनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद **निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया**

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास **यशपाल गुलिया**

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार **डा. तबस्सुम जहां**

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत

ऑनर्स), एमए (अंग्रेज़ी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज

को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में पेश किया बजट

विकास की नई रफ्तार इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी सुविधाएं-रोजगार के अवसर बढ़ने की आस

आम बजट 2026 से सोनीपत को उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में पेश किए केंद्रीय बजट 2026-27 से प्रदेश में विकास को गति मिलने के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री का कुल संभावित बजट आकार 53.5 लाख करोड़ रुपये का है, इसमें पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को पिछले साल से करीब 9 प्रतिशत बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है। संसद में पेश किए गए बजट पर जहां पक्ष ने इसे देशहित से जुड़ा बताकर खुशी जताई, वहीं विपक्ष ने असंतुष्टि जताई है। विपक्ष ने विरोध जताते हुए बताया कि बजट में आमजन व युवाओं के लिए कुछ नहीं है। बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार ने बजट में कोई ध्यान नहीं दिया है। सरकार का दावा है कि बजट की इस बढ़ोतरी से एनसीआर में शामिल हरियाणा में रोजगार को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। लिथियम आयन बैटरी के आयात शुल्क में कटौती से इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली से सटे होने से इलेक्ट्रॉनिक व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। बैटरी की कीमतों में गिरावट से बैटरी संचालित वाहनों के साथ स्मार्टफोन, लैपटॉप व टैबलेट की कीमत में कमी आएगी। सोनीपत में खासकर खरखौदा, बड़ी, राई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योग इकाइयों को बढ़ावा मिलने से स्थानीय युवाओं को जिले में ही रोजगार मिलेगा। शिक्षा पर नजर डालें तो बजट में एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स (एवीजीसी क्षेत्र) को भी खास जगह दी गई है। सरकार का उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में एवीजीसी क्षेत्र के लिए 20 लाख से अधिक पेशेवर तैयार करना है।

देश की विकास की गति को बढ़ावा देगा बजट

केंद्रीय बजट युवा और महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन तथा शिक्षा-स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। यह बजट ठोस नीतियों और परिणामोन्मुख दृष्टि के साथ विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाता है। मैन्युफैक्चरिंग से इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य से पर्यटन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से एआई, खेल से तीर्थ- हर क्षेत्र में व्यापक अवसर खोलता यह विकसित भारत बजट भारत को उभरते आर्थिक शक्ति-केंद्र के रूप में नई पहचान देता है। पारंपरिक क्षेत्रों से लेकर नवोन्मेषी उद्योगों तक, यह बजट निवेश, उद्यमिता और उत्पादकता को नई गति देता है।

युवाओं को मिलेगा रोजगार

केंद्रीय बजट पिछले वर्ष के मुकाबले 8.27 प्रतिशत अधिक है। यह कौशल-आधारित विकास व समावेशिता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत है। उद्योग-अकादमिक सहयोग के माध्यम से बेरोजगारी संकट से निपटा जा सकेगा। जिले में एक बालिका छात्रावास छात्राओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करेगा। मुंबई स्थित भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनटी) के नेतृत्व में 15000 माध्यमिक विद्यालयों व 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना से युवाओं को एनीमेशन, गेमिंग व कॉमिक्स के बढ़ते बाजार में रोजगार के लिए बढ़ावा मिलेगा।

-डॉ. अरुणा मलिक,
एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदू कॉलेज, सोनीपत

शेयर बाजार में उम्मीदें

कुल मिलाकर, यह बजट कुछ सकारात्मक इरादों को दर्शाता है, लेकिन बाजार को तत्काल भरोसा देने में सीमित साबित हुआ। आने वाले समय में नीतिगत स्पष्टता व क्रियान्वयन ही यह तय करेंगे कि बजट के ये प्रावधान आर्थिक विकास को कितनी मजबूती दे पाते हैं। बजट के दिन निफ्टी करीब 700 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 2000 अंकों से अधिक फिसल गया। यह गिरावट दर्शाती है कि निवेशकों की अपेक्षाएं बजट से पूरी तरह पूरी नहीं हो सकीं। इसका एक कारण सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी माना जा रहा है। ऐसे समय में, जब विदेशी संस्थागत निवेशक पहले से ही भारतीय बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, ट्रेडिंग लागत बढ़ने से निवेश भावना पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। *रविंद्र भारद्वाज।*

टियर 2 शहर है सोनीपत

सोनीपत पहले से ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रभाव में तेजी से उभरता हुआ टियर-2 शहर है। एनएच-44 से जुड़ा औद्योगिक नेटवर्क, कुंडली-मानेसर-पलवल बेल्ट की रणनीतिक स्थिति, राई इंडस्ट्रियल एरिया और प्रस्तावित औद्योगिक विस्तार इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाते हैं। बजट में शहरी विकास और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिए जाने से इन सभी क्षेत्रों को गति मिलने की संभावना है। विशेष रूप से खरखौदा आईएमटी के विस्तार के लिए बजटीय प्रावधान को जिले के औद्योगिक भविष्य के लिए अहम माना जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन और ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए बजट में किए गए ऐलान भी जिले के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। एनएच-44 और केएमपी बेल्ट के आसपास ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास से न केवल परिवहन क्षेत्र में बदलाव आएगा, बल्कि इससे जुड़े नए कारोबार और रोजगार भी पैदा होंगे। एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर के लिए घोषित राहत पैकेज और क्रेडिट सपोर्ट से स्थानीय उद्यमियों को आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है।

बजट पर लोगों की प्रतिक्रिया

कृषि और रोजगार पर फोकस

सरकार का यह बजट हरियाणा के विकास को नई गति देगा और आने वाले समय में इंफ्रा, कृषि और रोजगार पर बड़ा फोकस रहेगा। यह बजट विकसित भारत की यात्रा को और तेज करेगा। यह युवा शक्ति बजट है। युवाओं की सोच और सपने बजट में शामिल हैं। बजट में आर्थिक ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा तथा निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को मजबूत मजबूती मिलेगी। बजट ने हरियाणा के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। कुल बजट आकार 53.5 लाख करोड़ का है। *पंडित मोहन लाल बड़ौली।*

आत्मनिर्भर की ओर लेकर जाएगा

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया आम बजट देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित भारत की दिशा में ले जाने वाला बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को जमीन पर उतारने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, रेलवे, औद्योगिक विकास, आवास और शहरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। *रमेश कौशिक, पूर्व सांसद।*

महिलाओं-बालिकाओं पर फोक्स

बजट देश की मातृशक्ति के स्वाभिमान आर्थिक आत्मनिर्भरता को समर्पित है और इससे देश की आधी आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगा। महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की ऐतिहासिक धनराशि आवंटित की गई है। महिलाओं के लिए छात्रावास व क्रेच की सुविधा बढ़ाने जैसे कदमों से महिलाओं का विकास निश्चित है। *कविता जैन।*

औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी

केंद्रीय बजट 2026 में हरियाणा के लिए ऐतिहासिक घोषणा की गई है जिससे प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा और सोनीपत के विकास को भी पंख लगेंगे। बजट के प्रावधानों से सोनीपत इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप को बढ़ावा मिलेगा, आर आर टी एस एवं इ वी चार्जिंग नेटवर्क को बढ़ावा देने से शहर में स्मार्ट एवं इको फ्रेंडली बनने की तरफ अग्रसर होंगे। **राजीव जैन।**

आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है बजट

वित्त मंत्री द्वारा पेश बजट विकास और समावेशिता दोनों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। बजट न केवल देश की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने का काम भी करेगा। नवाचार में किए गए निवेश से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर मिशन व एआई हब के लिए आवंटित राशि से युवा वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। **पुनीत दहिया।**

बजट मध्यवर्ग को राहत देने वाला

बजट देश के मध्यवर्ग को राहत देने वाला और भविष्य उन्मुख है। बजट में कर राहत, महंगाई से निपटने के उपाय, शिक्षा-स्वास्थ्य पर बढ़ा हुआ खर्च तथा रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधानों से आम मध्यम वर्ग को सीधा लाभ मिलेगा। वर्षों से देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे मध्यवर्ग की अपेक्षाओं को इस बजट में गंभीरता से समझा है। सरकार द्वारा जीवन यापन की लागत कम करने, बचत को प्रोत्साहित करने और आर्थिक स्थिरता प्रदान करने के प्रयास सराहनीय हैं। *जयवीर गहलावत*

महंगाई-बेरोजगारी पर नहीं काम

बजट आमजन के सपनों को साकार करने वाला नहीं है। बजट में बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं के बारे में कोई विशेष प्रावधान नहीं किया गया है। बजट महंगाई व बेरोजगारी को कम करने वाला नहीं है। यह एक ऐसा बजट जिसमें चीजों को दुरस्त करने के बजाय वास्तविक संकटो से आंखे मुंद ली गई है। केंद्रीय वित मंत्री द्वारा पेश किया बजट जन हितेषी नहीं है। कहा कि हमें उम्मीद थी कि बजट में आम आदमी को राहत मिलेगी लेकिन यह सरकार की विफलताओं को छुपाने वाला बजट है। *सुरेंद्र पंवार।*

आत्मनिर्भर नहीं आत्मघाती बजट

इस बजट से कृषि क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, आम आदमी पर महंगाई की मार, निजीकरण, व्यापारी, छोटे दुकानदार व युवाओं के रोजगार पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। जहां कोरोना महामारी के कारण सभी सेक्टर घाटे में रहे वहीं कृषि एकमात्र ऐसा सेक्टर था जिसने देश की अर्थव्यवस्था को जिंदा रखा। किसानों का सबसे बड़ा मुद्दा था कर्ज मुक्ति और एमएसपी जिसका बजट में कोई जिक्र ही नहीं है। यह बजट पूरी तरह से किसानों के खिलाफ और कारपोरेट जगत को लाभ पहुंचाने वाला है। *कुनाल गहलावत।*

बजट दिशाहीन और निराशाजनक

बजट न केवल आम आदमी की उम्मीदों के खिलाफ है, बल्कि हर वर्ग को हताश करने वाला है। बजट में देश के युवाओं के लिए रोजगार के कोई ठोस प्रबंध नहीं किए गए हैं। आम आदमी पर बढ़ती महंगाई के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने कोई भी राहत भरा प्रावधान नहीं किया है, जिससे रसोई का बजट और बिगड़ेगा। बजट पेश होते ही शेयर बाजार में आई भारी गिरावट इस बात का प्रमाण है। *रणवीर ठिक्कारा।*

केंद्रीय बजट से कर्मचारी निराश

भारत सरकार द्वारा नई संसद में पेश हुआ बजट सरकारी कर्मचारियों के लिए निराशाजनक रहा। जहां सरकार इस बजट को भविष्य का बजट कह रही है परंतु सरकार के कर्मचारियों के भविष्य के लिए कोई प्रावधान सरकार द्वारा नहीं किया गया। सबसे बड़ी बात देश के एक करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी व अधिकारी, अर्धसैनिक बलों सहीत पुरानी पेंशन की बहाली की मांग कर रहे हैं। *डॉ. प्रमोद ईष्टकान।*

पूरी तरह से जन-विरोधी

बजट, मोदी सरकार की कुछ बड़े कारोबारी घरानों और अमीर और धनी लोगों के संकीर्ण हितों को बढ़ावा देने की बिना सोचे-समझे प्रतिबद्धता का स्पष्ट सबूत है, जो मेहनतकश लोगों और समाज के सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों, साथ ही बड़े राष्ट्रीय आर्थिक हितों की कीमत पर किया है। निर्मला सीतारमण ने जिस 'राजकोषीय अनुशासन' का श्रेय सरकार को दिया है, वह हमेशा कॉर्पोरेट सेक्टर अमीरों को टैक्स में छूट देने का दूसरा तरीका रहा है। *आनंद शर्मा।*

गंभीर बीमारियों से टैक्स हटाना उचित

केंद्रीय बजट में सरकार ने कैंसर सहित गंभीर बीमारियों से टैक्स हटाकर उचित निर्णय लिया है। इससे कैंसर व गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को उचित दाम पर दवाईयां मिलने से उन्हें इलाज में सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्य की नजर से सरकार का बजट उचित व न्यायसंगत है, जो देशहित से जुड़ा ह आ है। वहीं सरकार को बजट में इनकम टैक्स पर भी कोई निर्णय लेना चाहिए था। *हरबंस लाल अरोड़ा।*

बजट हर वर्ग के लिए हितैषी :देवेंद्र कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

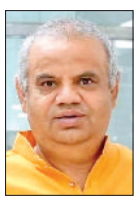

मध्यम वर्ग को आयकर में दी छूट से परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा

भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक।

भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को हर वर्ग के लिए हितैषी बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग सभी की अपेक्षाओं पर खरा उतरता है। देवेंद्र कौशिक ने कहा कि बजट में आम आदमी को राहत देने के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। मध्यम वर्ग को आयकर में दी गई छूट से परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों के लिए कृषि क्षेत्र में किए गए प्रावधान, सिंचाई योजनाएं और ग्रामीण विकास पर बढ़ा हुआ बजट गांवों की तस्वीर बदलेगा। देवेंद्र कौशिक ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

"सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" विजन साकार : पुनीत राई

हरिभूमि न्यूज ⏭राई

कौशल विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रावधान स्वागत योग्य

भाजपा युवा नेता एवं निगम पार्षद पुनीत राई।

भाजपा युवा नेता एवं निगम पार्षद पुनीत राई ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की सराहना करते हुए इसे विकास, युवा और गरीब कल्याण को समर्पित बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के विजन को साकार करता है। पुनीत राई ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कौशल विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रावधान स्वागत योग्य हैं। मध्यम वर्ग को टैक्स में दी गई राहत से आम आदमी को सीधा लाभ मिलेगा और उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी। कहा कि किसानों के लिए कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर और सिंचाई योजनाओं पर दिया गया जोर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए प्रावधान आने वाले समय में देश की नींव को और मजबूत करेंगे।

बजट में आम आदमी को नहीं मिली टैक्स में छूट : तायल

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

देश में महंगाई चरम पर, आम आदमी को आम बजट में थी टैक्स में छूट की उम्मीद

मुकेश तायल।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी व्यापार सैल के पूर्व चेयरमैन मुकेश तायल ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में आम आदमी को टैक्स में कोई छूट नहीं दी गई है। आम आदमी के लिए यह बजट निराशाजनक है। कांग्रेस वरिष्ठ नेता मुकेश तायल ने कहा कि इस समय देश में महंगाई चरम पर है। आम आदमी भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है और उसे घर गा गुजारा चलाना मुश्किल हो रहा है। तायल ने कहा कि देश के आम आदमी को सरकार से उम्मीद थी कि बजट में उसे टैक्स में छूट मिलेगी जिससे महंगाई की मार से कुछ निजात मिलेगी। लेकिन आम बजट में आम आदमी को टैक्स में कोई छूट नहीं दी गई और केवल निराशा ही उसके हाथ लगी।

भाजपा नेता माईराम कौशिक ने बजट को बताया जनकल्याणकारी विकास को मिलेगी नई गति

भाजपा नेता माईराम कौशिक।

राई। भाजपा नेता माईराम कौशिक ने केंद सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट आमजन, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में विकास और जनकल्याण का स्पष्ट रोडमैप नजर आता है, जिससे देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। माईराम कौशिक ने कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। इससे न केवल युवाओं को नए अवसर मिलेंगे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। किसानों के लिए की गई घोषणाओं को सराहनीय बताते हुए माईराम कौशिक ने कहा कि इससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में और मजबूत होगी। भाजपा नेता ने कहा कि यह बजट "सबका साथ, सबका विकास" की भावना को साकार करता है।

संसद में पेश गए बजट ने हरियाणा के लिए विकास के नए द्वार खोल दिएः नरेंद्र धीमान

भाजपा नेता मास्टर नरेंद्र धीमान।

राई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित बजट की भाजपा नेता मास्टर नरेंद्र धीमान ने सराहना की । नरेंद्र धीमान ने कहा कि बजट में आर्थिक ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा तथा निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को मजबूत मजबूती मिलेगी। सामान्य नागरिकों को अधिक सुविधाएं और अवसर बजट में दिया गया है। सबका साथ, सबका विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना ही बजट का मूल लक्ष्य है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश गए बजट ने हरियाणा के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। हरियाणा जैसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य के लिए वरदान साबित होगी और बजट शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सड़कें और अन्य इंफ्रा परियोजनाओं को गति देगी।

पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद

शहरी विकास के मोर्चे पर बजट में 5 लाख से अधिक आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि का प्रावधान किया गया है। अमृत योजना के विस्तार के तहत सीवरेज, सड़क, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन और अन्य शहरी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। सोनीपत जैसे शहर, जहां आबादी तेजी से बढ़ रही है, वहां इन योजनाओं से बुनियादी ढांचे की पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद की जा रही है। नगर क्षेत्र में जलभराव, ट्रैफिक और सीवरेज जैसी समस्याओं पर काबू पाने में यह बजट मददगार साबित हो।

बजट में फसल विविधीकरण, पानी संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर : निशांत

मार्किट कमेटी के चेयरमैन निशांत छोकर।

गन्नौर। मार्किट कमेटी के चेयरमैन निशांत छोकर ने कहा कि बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, फसल विविधीकरण, पानी संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर है। रेयर अर्थ मिनरल्स, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोफार्मा जैसे क्षेत्रों में नए प्लान से हरियाणा के किसानों और एग्री-इंडस्ट्री को फायदा होगा। राज्य की 'मेरा पानी-मेरी विरासत' जैसी योजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिलेगा। महंगाई नियंत्रण, टैक्स सरलीकरण और मध्यम वर्ग को राहत से हरियाणा के नागरिकों को भी फायदा होगा। बायोफार्मा और लाइफ केंद्र का यह बजट हरियाणा की प्रगति को और तेज करेगा तथा लोगों तक विकास की लहर पहुंचेगी। डबल इंजन सरकार की साझेदारी से राज्य में इंफ्रा, रोजगार, समृद्धि और युवा शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी।

आम बजट सर्वस्पर्शी और विकासोन्मुखः बिजेंद्र मलिक

बिजेंद्र मलिक।

गोहाना। भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि केंद्रीय आम बजट सर्वस्पर्शी, विकासोन्मुख और आमजन को राहत देने वाला है। बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं, मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन पर जोर देकर मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम उठाया है। ग्रामीण विकास, कृषि क्षेत्र और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए की गई घोषणाएं दूरगामी परिणाम देंगी। उन्होंने कहा कि बजट में जन उत्थान के लिए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का विशेष ध्यान रखा गया है।

बजट से नए रोजगार अवसर पैदा होंगेः विधायक देवेंद्र

गन्नौर। केंद्रीय बजट पेश होने के बाद गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने इसे विकासोन्मुखी और समावेशी बताया। उन्होंने कहा कि बजट में देश के हर वर्ग किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग का ध्यान रखा गया है। कादियान ने कहा कि बजट से नए रोजगार अवसर पैदा होंगे और बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के लिए किए गए प्रावधान देश की भविष्य की नींव को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

तैयारी बजट से शिक्षा को कौशल विकास, रचनात्मकता व रोजगार से जोड़ने का प्रयास

कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापना से सरकार का उद्देश्य छात्रों को आत्मनिर्भर बनाकर आगे की दिशा प्रदान करना

सोनीपत। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। शिक्षा को लेकर बजट में सरकार ने देश के 15 हजार माध्यमिक विद्यालयों व 500 महाविद्यालयों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे यूट्यूब व इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए वीडियो बनाने वाले युवाओं को लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में एवीजीसी क्षेत्र के लिए 20 लाख से अधिक पेशेवर तैयार करना है। साथ ही प्रत्येक जिले में छात्राओं के लिए एक छात्रावास का निर्माण करवाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं के लिए रोजगार बढ़ाने की योजना शामिल है।

युवाओं को रोजगार मुहैया

केंद्र सरकार का बजट शिक्षा के साथ स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीकी दृष्टि के अनुरूप है। सरकार कॉर्पोरेट मित्र योजना के साथ निजी औद्योगिक संस्थानों में युवाओं को प्रशिक्षण के साथ उन्हें रोजगार भी मुहैया करवाएगी। जिले में छात्रावास की स्थापना से छात्राएं उच्च शिक्षा ग्रहण करने के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को भी बढ़ावा मिलेगा। कैंसर सहित गंभीर बीमारियों से टैक्स हटाकर सरकार ने उचित कदम उठाया है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को उचित दाम पर दवाईयां मिलने से उन्हें इलाज में सुविधा होगी। हालांकि सरकार को इनकम टैक्स पर भी निर्णय लेना चाहिए था।-*पद्मश्री डॉ. संतराम देशवाल, साहित्यकार एवं लेखक, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, सोनीपत*

सकारात्मक व भविष्य उन्मुख पहल

शिक्षा क्षेत्र के लिए की गई घोषणाएं सकारात्मक व भविष्य उन्मुख पहल है। बजट में शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम व परीक्षा केंद्रित न रखकर, उसे कौशल विकास, रचनात्मकता व रोजगार से जोड़ने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्कूलों में कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना का फैसला अत्यंत सराहनीय है। यह आज के विद्यार्थियों के लिए समय की आवश्यकता हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि व क्षमता को पहचानने का अवसर मिलेगा। वह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। साथ ही हर जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास स्थापित करने की घोषणा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इससे ग्रामीण व वंचित वर्ग की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी, विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति में भी कमी आएगी।-*सुमन बाला शर्मा, प्राचार्य, पीएमश्री रा कन्या विद्यालय, मुरथल अड्डा, सोनीपत*

खुलेगा लड़कियों के लिए होस्टल

शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी बजट से जिले को लाभ मिलने की संभावना है। प्रस्तावित योजनाओं के तहत सोनीपत में लड़कियों के लिए हॉस्टल खोले जाने का रास्ता साफ हुआ है। इससे न केवल उच्च शिक्षा के लिए बाहर से आने वाली छात्राओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय छात्राओं की पढ़ाई भी बाधित नहीं होगी। इसके साथ ही स्कूलों व कॉलेजों में एवीजीसी लैब स्थापित किए जाने की घोषणा को शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

स्वास्थ्य सुविधाएं होंगी बेहतर

स्वास्थ्य क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए किए गए प्रावधानों का लाभ भी सोनीपत को मिलने की उम्मीद है। जिला अस्पतालों और शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं के विस्तार से इलाज की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं निवेशकों और उद्योगों के लिए भी सकारात्मक संकेत होती हैं।

खबर संक्षेप

सत्यनारायण भगवान का पूजन कर किया हवन

सोनीपत। मोहन नगर स्थित बगलामुखी विष्णेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को माघ शुक्ल की पूर्णिमा के अवसर पर विश्व कल्याण के लिए भगवान सत्यनारायण का पूजन, कथा व हवन किया गया। मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने हवन में पूर्णाहुति डालकर भगवान से विश्व कल्याण की कामना की। इससे पूर्व मंदिर में पंडित रामकृष्ण पाठक ने भगवान सत्यनारायण का पूजन कर श्रद्धालुओं को कथा सुनाई। तत्पश्चात मंदिर परिसर में भंडारा लगाया गया। भंडारे में आसपास क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के प्रधान गुंजन पाठक, सुनील पटेल, फूलन देवी, इंद्र कला देवी मौजूद रहे।

नौकरी नहीं मिलने से था परेशान, की आत्महत्या

सोनीपत। अशोक विहार स्थित घर में सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक के बेटे ने फंदा लगा लिया। घटना के समय सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में रिश्तेदार के घर गए हुए थे। वह शनिवार शाम घर लौटे तो बेटे को फंदे पर लटका हुआ पाया। पुलिस ने शव कब्जे में लिया और जिला नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। अशोक विहार निवासी पंकज नौकरी नहीं मिलने के कारण वह काफी समय से मानसिक रूप से परेशान रहते थे।

संगठन ने मुख्य मार्ग पर रोपित किए 32 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को गोहाना-जींद मार्ग पर आरओबी के साथ जींद-बरोदा लिंक मार्ग के साथ फुटपाथ की खाली जगह में पौधारोपण किया गया। संगठन द्वारा पौधारोपण अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के साप्ताहिक अभियान के तहत किया गया जिसमें नीम, जामुन, चक्रेसिया और जंगली जलेबी के 32 पौधे रोपे गए।

सीबीएसई राष्ट्रीय स्पर्धा में अरहान तीसरे स्थान पर

सोनीपत । ब्राइट स्कॉलर के सातवीं कक्षा के अरहान जैन ने पंचकूला क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अहमदाबाद के ईडीआईआई कैंपस में आयोजित सीबीएसई स्किल एक्सपो नेशनल्स में तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने 56 टीमों के बीच यह उपलब्धि हासिल की, इससे पहले स्किल एक्सपो के रीजनल राउंड में शानदार पहला स्थान हासिल करके उन्होंने नेशनल्स में अपनी जगह पक्की की थी। उन्हें एक ट्रॉफी और मेरिट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। प्रिंसिपल, डॉ. किरण दलाल ने अरहान को शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और डिजिटल युग में टेक्निकल काबिलियत की क्षमता पर जोर दिया।

जयंती पर शहर में विभिन्न जगह कार्यक्रमों का आयोजन कर लगाया भंडारा

गुरु रविदास ने सामाजिक सद्भाव व समरसता का दिया संदेश : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

संत गुरु रविदास की जयंती पर गुरु रविदास सभा की ओर से गुरु रविदास मंदिर, लाल दरवाजा, जटवाड़ा और संत शिरोमणि गुरु रविदास समाज कल्याण उत्थान समिति ने ककरोई रोड स्थित विकास नगर में रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विधायक निखिल मदान ने गुरु रविदास की प्रतिमा व चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया। विधायक ने श्रद्धालुओं के साथ मंदिर परिसर में लगाए गए भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक निखिल मदान ने बताया कि गुरु रविदास के मानवता, समानता व समरसता के संदेश आज भी प्रासंगिक है। गुरु रविदास ने हमेशा ऊंच नीच, छुआछूत, जातीय भेदभाव जैसी अनेकों कुरीतियों के खिलाफ अपने दोहों से लोगों को जागरूक किया। इन्हें दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुरु रविदास ने आपसी भाईचारे, समरसता व समानता का संदेश दिया। गुरु रविदास ने अपनी कविताओं और दोहों से पूरे समाज को यह सीख दी कि कोई भी इंसान अपने कर्मों से महान बनता है, न कि अपने जन्म से। उन्होंने सभी लोगों से सदैव इंसानियत व भलाई के रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

सोनीपत। सोनीपत के विकास नगर में आयोजित गुरु रविदास जयंती कार्यक्रम में गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विधायक निखिल मदान।

सोनीपत। लाल दरवाजा स्थित गुरु रविदास मंदिर में गुरु रविदास की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन करते निवर्तमान मेयर राजीव जैन।

गुरु रविदास के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज को समृद्ध बनाने में दें योगदान : राजीव जैन

नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने बताया कि गुरु रविदास मानव जाति को सामाजिक समरसता का पाठ पढ़ाने वाले, अंधविश्वास व आडंबरों से परे रहने का संदेश देने वाले महान संत थे, जिनकी शिक्षाएं आज के युग में भी प्रासंगिक है। राजीव जैन ने रविवार को गांव कुराड़, लहराड़ा, लाल दरवाजा, शाम नगर, गढ़ी ब्राह्मणान, देवडू में आयोजित गुरु रविदास जयंती कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने बताया कि गुरु रविदास ने किसी स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने की बजाय ईश्वर की पाठशाला में पढ़कर अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों को यथार्थ में जीने का संदेश दिया। कार्यक्रमों में ओमराम, प्रीतम, यशबीर नंबरदार, सुनीता कालूपुर, राजबीर सरोहा, धर्मबीर, हंसराज, किरणपाल, कृष्ण भाटिया, डॉ. सिंधु, निक्कू कटारिया, पवन प्रजापत, सतबीर कटारिया, राजपाल कटारिया मौजूद रहे।

इसके बाद विधायक निखिल मदान ने विकास नगर में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम गुरु रविदास सभा के प्रधान कृष्ण भाटिया, महासचिव रत्न सिंह भाटिया, नगर निगम के पूर्व पार्षद हरिप्रकाश सैनी, सुरेंद्र नैय्यर, नवीन तंवर, राजेश दहिया, अशोक खत्री, रघुबीर सिंह रंगा, तिलकराज बौद्ध, किरणपाल सिंह, सतपाल, विक्रम, सतीश मौजूद रहे।

57 लोगों ने किया रक्तदान

संत शिरोमणि रविदास की जयंती सकइसरो सोसाइटी की ओर से संत रविदास मंदिर, लाल दरवाजा में छठा रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर आंबेडकर एजुकेशनल एंड सोशल रिफार्म ऑर्गेनाइजेशन एक प्रयास समानता का संस्था व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में लगाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, विधायक निखिल मदान, नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष जसबीर सिंह दोदवा ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। शिविर में 57 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में संस्था के प्रधान वीरभान सिंह भोरिया ने लोगों को संत रविदास के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में नवीन अहलावत, समुंद्र सिंह, मनीष कुमार, कमल किशोर, सतबीर सिंह, सिद्धार्थ, रतन सिंह भाटिया, मुकेश भोला, आजाद सिंह, बिजेंद्र, कृष्णा, अंकित, धर्मवीर, रणजीत सिंह मौजूद रहे।

नगर निगम चुनाव की तैयारी

जिताऊ उम्मीदवारों की खोज में धरातल पर उतरे कमल

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान को आशीर्वाद देती महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम चुनाव के बिगुल बजने के साथ ही कांग्रेस पार्टी ने अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इस बार कांग्रेस फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। रविवार को कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने स्वयं कमान संभालते हुए विभिन्न वार्डों का दौरा किया और उम्मीदवारों की जमीनी पकड़ का आकलन किया। जिला अध्यक्ष ने वार्ड नंबर 18 के देवनगर सहित वार्ड नंबर 20 और नौ के अंतर्गत आने वाले राठधना गांव व सेक्टर-15 स्थित आर्य समाज मंदिर का भी दौरा कर लोगों की नब्ज टटोली है। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने वार्डों में जाकर न केवल मेयर और पार्षद पद के संभावित उम्मीदवारों के परिवारों से मुलाकात की, बल्कि क्षेत्र के आम लोगों के बीच बैठकर उम्मीदवारों की छवि और उनकी पकड़ के बारे में विस्तृत फीडबैक लिया। कमल दिवान ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस बार किसी भी प्रकार की जल्दबाजी में नहीं है और पूरी योजनाबद्ध तरीके से चुनावी मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य लक्ष्य ऐसे उम्मीदवार को टिकट देना है जो न केवल ईमानदार हो, बल्कि जनता के बीच गहरी पैठ रखता हो और जिताऊ हो। इस अवसर पर उनके साथ जिला कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय नेता मौजूद रहे, जिन्होंने वार्ड स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार, जयवीर राठी, देवेंद्र मलिक, ऋतुराज, लीलू प्रधान, राजेश सेवली व अन्य मौजूद रहे।

पांच फरवरी तक आवेदन की अंतिम तिथि

कमल दिवान ने जानकारी दी कि जो भी समर्पित कार्यकर्ता या व्यक्ति कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ना चाहता है, वह पांच फरवरी तक सोनीपत में सुभाष चौक स्थित कांग्रेस भवन में अपना आवेदन जमा कर सकता है। आवेदन प्रक्रिया के बाद पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी सभी नामों पर गंभीरता से विचार करेगी। उम्मीदवारों के चयन में वार्ड के समीकरणों, जातिगत आधार और स्थानीय लोकप्रियता को प्राथमिकता दी जाएगी।

शहर में नहीं रहने दी जाएगी विकास की कोई कमी : हीरालाल इंदौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

शहर के वार्ड छह की महावीर कॉलोनी में 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाली गली का नारियल तोड़कर नगर पालिका चेयरमैन हीरालाल इंदौरा ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में पहली बार पार्टी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव हुए और क्षेत्र की जनता ने आशीर्वाद देकर कमल का फूल खिलाया है। पार्टी का एक ही लक्ष्य है विकास, इसमें कोई कमी नहीं रहने की जाएगी। शहर में करोड़ों रुपए के विकास कार्य करवाए जा चुके है। शहर के दिल्ली मार्ग, सोनीपत मार्ग, मटिंडू मार्ग पर फैंसी लाइटें लगाई जा चुकी है। इसके अलावा अनेक वार्डों में गालियों का निर्माण कार्य करवाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को गुणवत्ता के आधार पर करवाया जा रहा है क्वालिटी में कोई समझौता नहीं है । वार्ड नंबर 6 में जिस गली का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया गया है। काफी पुरानी समस्या थी इसके निर्माण पूर्ण होने से इस समस्या का समाधान हो जाएगा। पार्षद अनूप, प्रमोद इंदौरा, रविंद्र, पार्षद नवीन दहिया आदि मौजूद रहे।

दृढ़ निश्चय,सच्ची लगन व आत्मविश्वास ही सफलता का मार्ग है : मित्तल

सोनीपत। डीएवी मल्टीपर्पज पब्लिक स्कूल में रविवार को 12वीं बोर्ड के परीक्षार्थियों का विदाई समारोह मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य (रीजनल ऑफिसर) वीके मित्तल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन का प्रत्येक पल महत्वपूर्ण है, अतः उन्हें चाहिए कि अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर रखें क्योंकि दृढ़ निश्चय, सच्ची लगन और आत्मविश्वास ही सफलता के सशक्त मार्ग है। इस अवसर पर कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसके पश्चात 12वीं कक्षा की छात्रों ने अपनी अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। अंत में प्राचार्य ने कक्षा 12वीं के सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

सुख-सुविधाओं के लिए परमात्मा का मानना चाहिए उपकार : दिव्यानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गीता ज्ञानेश्वर डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु ने कहा कि मनुष्य को जीवन में जो सुख-सुविधाएं मिली हैं, उसके लिए परमात्मा का उपकार मानना चाहिए। हनुमान जी महाराज ने जिस प्रकार जप-तप से साधना कर भक्ति व शक्ति का जो मार्ग प्रस्तुत किया, वह आज के समय में कोई नहीं कर सकता। यह विचार दिव्यानंद महाराज ने श्रीराम परिवार की ओर से गीता भवन मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय एक प्रातः व दो शाम शुभ आनंदम प्रभु श्री राम के नाम कार्यक्रम के समापन समारोह में सत्संग के दौरान व्यक्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत हरिनाम व श्रीराम संकीर्तन के साथ की गई। इसके बाद सुंदरकांड पाठ, संकटमोचन हनुमान चालीसा पाठ कर माहौल को भक्तिमय बनाया गया। दिव्यानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए कहा कि मनुष्य को प्रत्येक चरित्र की गंभीरता, उनके बारे में जान लेना चाहिए। हनुमान का अवतार ही राम काज के लिए हुआ है। कार्यक्रम में श्याम रहेजा, पवन सहगल, बीटी वर्मा, चंद्रकांत बत्रा सहित संस्था के सभी सदस्य मौजूद रहे।

यूजीसी के खिलाफ किया प्रदर्शन

सोनीपत। राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को सुभाष चौक पर प्रदर्शन कर केंद्र सरकार और यूजीसी से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के संवर्धन विनियम 2026 को तुरंत वापस लेने सहित एससी-एसटी एक्ट और आरक्षण की वर्तमान जनविरोधी नीतियों को समाप्त करने की मांग की है। जानकारी देते हुए पार्टी महासचिव रविन्द्र जठेड़ी ने कहा कि यूजीसी द्वारा गत दिनों अधिसूचित विनिमय -2026 पूर्णतः गलत, भेदभावपूर्ण, एकतरफा, कैंपस में झूठी शिकायतो को बढ़ावा देकर छात्रों में वैमनस्य पैदा करने वाला और अनारक्षित छात्रों में अनावश्यक भय, कुंठा, तनाव और उत्पीड़न पैदा कर शिक्षा को प्रभावित करने वाला है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा हमारी मांगों पर शीघ्र अमल कार्रवाई करते हुए उचित निर्णय नहीं लिया गया तो आगामी समय में राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी आंदोलन को तेज करेगी। इस मौके पर सुखमेंद्र सिंह खरब, राकेश धारीवाल, देवेंद्र मलिक व अन्य मौजूद रहे।

बुजुर्गों को सम्मान स्वरूप चौधरी देवीलाल ने शुरू की थी बुढ़ापा पेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

विधानसभा क्षेत्र खरखौदा के इनेलो प्रधान बलवान नंबरदार की अध्यक्षता में यहां एक बैठक हुई। युवा प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र मंडोरा ने जिसका संचालन किया। जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार एक सुनियोजित साजिश के तहत बुढ़ापा, विधवा और दिव्यांग समेत अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन काट रही है। हरियाणा सरकार ने फैमिली आईडी को मुख्य आधार बनाकर पति-पत्नी की संयुक्त वार्षिक आय 3 लाख से अधिक दिखाकर बुढ़ापा, विधवा और दिव्यांग समेत अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन काटनी शुरू कर दी है। फसल बिक्री 1 लाख 80 हजार रुपए से अधिक है तो कुल आय 3 लाख रुपए मानी जा रही है। बिजली बिल सालाना 24 हजार रुपए से ज्यादा होने पर आय बढ़ाकर दर्ज हो रही है। आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने से भी परिवार की आय अधिक मानी जा रही है। इस मौके पर मनजीत फोगाट, धर्मवीर फोगाट, किसान सेल के जिला अध्यक्ष सुनील मलिक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के साबर अली व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षा ही शक्ति, जो सपनों को साकार करती : शर्मा

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ, सोनीपत में "माया शर्मा स्कॉलरशिप टेस्ट" का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा द्वितीय से आठवीं तथा दसवीं तक के लगभग 1000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यालय परिसर में अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। इस परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान करना है। शिक्षकों और स्टाफ ने मिलकर परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया। विद्यार्थियों ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दी। विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि "माया शर्मा स्कॉलरशिप टेस्ट विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने का एक सशक्त माध्यम है। हमारा लक्ष्य है कि हर योग्य छात्र को आगे बढ़ने का अवसर मिले। शिक्षा ही वह शक्ति है जो बच्चों के सपनों को साकार करती है। निदेशक धीरज शर्मा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। इस प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाएं छात्रों को अपनी क्षमताओं को परखने का मंच प्रदान करती है।

सोनीपत। प्रतियोगी परीक्षा में हिस्सा लेने ऋषिकुल विद्यापीठ पहुंचें विद्यार्थी

सोनीपत। मोहाना स्थित आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अमर सिंह महला की पुण्यतिथि पर हवन करते प्रबंधन, स्टाफ सदस्य व छात्राएं।

अमर सिंह महला की पुण्यतिथि पर हवन कर अर्पित किए श्रद्धासुमन

सोनीपत। आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मोहाना में आर्य गर्ल्ज एजुकेशन एसोसिएशन मोहाना के संस्थापक अमर सिंह महला की पुण्यतिथि पर हवन में पूर्णाहुति डालकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। हवन में विद्यालय प्रबंधन, स्टाफ सदस्य व छात्राओं ने मिलकर आहुति डाली। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप महला ने पूर्वजों की ओर से दिखाए गए मार्ग पर चलने व विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रदीप महला ने बताया कि अमर सिंह महला लगाकार 25 वर्ष तक मोहाना गांव के सरपंच रहे और गांव को विकास की दृष्टि से ऊंचाईयों तक पहुंचाया। उन्होंने विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान दिया। आर्य हाई स्कूल, मोहाना की स्थापना में योगदान व फिर नारी शिक्षा के महत्व को समझते हुए अमर सिंह ने 55 वर्ष पहले आर्य गर्ल्स एजुकेशन एसोसिएशन की स्थापना की। आज संस्था के अंतर्गत मोहाना में तीन विद्यालयों, इनमें आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, आर्य नैशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व आर्य मॉडल प्राइमरी स्कूल का संचालन किया जा रहा है। जिनका मोहाना के व आसपास क्षेत्र के गांवों में शिक्षा के प्रसार व खेलों के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान है।

खेल 3 से 9 फरवरी तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी प्रतियोगिता

टीम का इंदौर में प्रमुख कोच अल्ताफ अहमद मार्गदर्शन करेंगे

एमराल्ड नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्रदेश की टीम चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा ने एक बार फिर पैरा-स्पोर्ट्स में अपना बढ़ता दबदबा दिखाया है। हरियाणा व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन (एचडब्ल्यूसीए) ने 3 से 9 फरवरी तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होने वाले एमराल्ड नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के लिए हरियाणा व्हीलचेयर क्रिकेट टीम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट में देश के बेहतरीन व्हीलचेयर क्रिकेट टैलेंट को देखा जाएगा, जिसमें केवल तीन टॉप परफॉर्म करने वाली राज्य टीमों हरियाणा, मध्यप्रदेश व पंजाब को टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। एसोसिएशन के चेयरमैन तरंग कश्यप ने बताया कि एमरल्ड नेशनल टूर्नामेंट टेस्ट फॉर्मेट, वन डे (50 ओवर) व टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें न केवल स्किल, बल्कि वर्सेटिलिटी, एंड्योरेंस व स्ट्रेटेजिक डेप्थ की भी जरूरत होगी। टीम में मोनू मास्टर, जागीर सिंह, विक्रम नाथ, दिनेश राणा, वेदपाल, विनय बालगुहर, अजय राणा, प्रदीप दहिया, मोहित हासिम अली, नसरुल गफ्फार, रविंद्र, प्रदीप, रोमाइसर वानी, कांशी, सुरेंद्र राणा शामिल हैं। टीम का इंदौर में प्रमुख कोच अल्ताफ अहमद मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश की टीम को कैप्टन बलराम कौशिक लीड करेंगे, जबकि दीपक चहल वाइस-कैप्टन की जिम्मेदारी संभालेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग कश्यप ने टीम की नेशनल ट्रॉफी घर लाने की काबिलियत पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने हर खिलाड़ी से अनुशासन, कॉन्फिडेंस व गर्व के साथ परफॉर्म करने की अपील की। वहीं टीम को प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम, भाजपा के विधायक मोहनलाल बड़ौली, विधायक विपुल गोयल, राजेश नागर ने भी शुभकामनाएं देकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया है।

दुबई में क्रिकेट खेलेंगे रोटेरियन खिलाड़ी

सोनीपत । इंटरनेशनल फेलोशिप ऑफ क्रिकेट लविंग रोटेरियंस (आईएफसीआर) के तत्वावधान में आईएफसीआर इंडिया कप 2026 का आयोजन 3 फरवरी से 7 फरवरी 2026 तक दुबई में किया जा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट रोटेरियन खिलाड़ियों के बीच खेल भावना, आपसी सौहार्द और अंतरराष्ट्रीय मैत्री को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। आई एफ सी आर डिस्ट्रिक्ट 3012 के संयोजक रोटेरियन सीए डॉ. दीपक गुप्ता ने बताया कि इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में आईएफसीआर डिस्ट्रिक्ट 3012 की टीमें भी पूरे उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। डिस्ट्रिक्ट की इस टीम में सोनीपत, दिल्ली, गाजियाबाद से चयनित अनुभवी रोटेरियन क्रिकेट खिलाड़ी शामिल हैं, जो डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आईएफसीआर भारत के सह सचिव एवं कोषाध्यक्ष रोटेरियन सीए डॉ. दीपक गुप्ता एवं डिस्ट्रिक्ट 3012 के चेयरमैन सीए अजय रेलन ने कहा कि यह टूर्नामेंट न केवल खेल प्रतिस्पर्धा है, बल्कि रोटरी मूल्यों, मित्रता और अनुशासन का भी उत्सव है। डिस्ट्रिक्ट 3012 की 2 टीमें 3 फरवरी 2026 को दिल्ली वारियर्स के कैप्टन रोटेरियन अभिषेक जिंदल तथा दिल्ली ब्लास्टर के कैप्टन रोटेरियन डॉ. गौरव डेंबला के नेतृत्व में दुबई के लिए रवाना होंगी। आई एफ सी आर इंडिया कप 2026 में दो वर्गों में मुकाबले खेले जाएंगे। कॉम्पिटिटिव कैटेगरी (आयु वर्ग 40 वर्ष से अधिक), जिसमें देशभर से 12 टीमें भाग लेंगी एवं फैस्टिव कैटेगरी (आयु 50 वर्ष से अधिक), इसमें भी 12 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।